सं. ई.11014/11/2017-रा.भा.(का.)

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

(राजभाषा प्रभाग)

इंदिरा पर्यावरण भवन,
जल विंग, प्रथम तल,
जोर बाग रोड, नई दिल्ली

दिनांक: 05 जनवरी, 2018

विषय: **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 29.12.2017 को आयोजित बैठक का कार्यवृत्त ।**

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन डॉ. सतीश चन्द्र गढ़कोटी, सलाहकार (रा.भा.) की अध्यक्षता में दिनांक 29.12.2017 को किया गया। उपस्थिति विवरण संलग्न है।

2. सदस्य सचिव द्वारा सलाहकार (रा.भा.) का स्वागत करते हुए बैठक की कार्रवाई आरंभ की गई। उप निदेशक (रा.भा) द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 22.09.2017 को आयोजित पिछली बैठक के कार्यवृत पर कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है। अत: समिति द्वारा पिछली बैठक के कार्यवृत की सर्वसम्मति से पुष्टि की गई।

3. पिछली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि के बाद उस बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा की गई। समीक्षा के पश्चात् सर्वसम्मति से निम्नलिखित मुद्दों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया:

क्र.सं.	मद	निर्णय	अपेक्षित कार्रवाई
1	राजभाषा हिंदी की तिमाही प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के बाद अगले माह की 15 तारीख तक राजभाषा प्रभाग को उपलब्ध करवाना।	उप-निदेशक (रा.भा.) ने समिति को अवगत कराया कि 08 अनुभागों/प्रभागों अर्थात पी ए ओ, सी आर, एफ एफ, जी आई एम, ओज़ोन सेल, आई टी, पीएल और एनआरसीडी से दिनांक 30.09.2017 को समाप्त तिमाही की हिंदी प्रगति रिपोर्टें अभी तक प्राप्त नहीं हुई हैं। अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया कि तिमाही रिपोर्ट देर से भेजने वाले और निर्धारित समय के बाद भी उक्त रिपोर्ट न भेजने वाले अनुभागों/प्रभागों के प्रभागाध्यक्षों को भविष्य में राजभाषा हिंदी की तिमाही प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के बाद अगले माह की 15 तारीख तक राजभाषा प्रभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने हेतु उनकी ओर से पत्र लिखे जाएं।	राजभाषा प्रभाग तथा संबंधित अनुभाग/ प्रभाग
2	100% के निर्धारित लक्ष्य से कम पत्राचार और 75% के निर्धारित लक्ष्य से कम टिप्पणी लेखन।	उप-निदेशक (रा.भा.) ने समिति को अवगत कराया कि 30.09.2017 को समाप्त तिमाही की राजभाषा प्रभाग में प्राप्त हिंदी तिमाही रिपोर्टों के अनुसार 08 अनुभागों ने 100% के निर्धारित लक्ष्य से कम हिंदी पत्राचार किया है और 16 अनुभागों ने 75% के निर्धारित लक्ष्य से कम टिप्पणियां हिंदी में लिखी हैं। इस पर अध्यक्ष महादेय का कहना था कि कम से कम धारा 3(3) का अनुपालन अवश्य होना चाहिए और फाइलों पर भी अधिकाधिक टिप्पणियां हिंदी में लिखी जानी चाहिएं। अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया कि ऐसे सभी अनुभागों/प्रभागों के प्रभागाध्यक्षों को उनकी ओर से पत्र लिखकर अनुरोध किया जाए कि वे उक्त लक्ष्यों की शीघ्र प्राप्ति हेतु प्रयास करें।	राजभाषा प्रभाग तथा संबंधित अनुभाग/ प्रभाग

3	बैठक में अनुपस्थिति।	अध्यक्ष महोदय ने पाया कि अनुभाग अधिकारी, अवर सचिव एवं उप-सचिव स्तर के सभी अधिकारियों के राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य होने के बावजूद, कई अनुभागों/प्रभागों के अधिकारी बैठक में उपस्थित नहीं थे । अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया कि- (i) बैठक में अनुपस्थित अनुभागों/प्रभागों के प्रभागाध्यक्षों को उनकी ओर से पत्र भेजकर अनुरोध किया जाए कि वे अपने अधीन कार्यरत अनुभाग अधिकारी, अवर सचिव, उप सचिव एवं समकक्ष अधिकारियों को भविष्य में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक को गंभीरता से लेने और इसमें अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश जारी करें, तथा (ii) राजभाषा प्रभाग द्वारा बैठक का कार्यवृत्त/सूचना बैठक की तारीख से न्यूनतम एक सप्ताह् पूर्व ई-ऑफिस के जरिए भी परिचालित किया जाए।	संबंधित अधिकारी/ राजभाषा प्रभाग
4	मंत्रालय के कार्मिकों को हिंदी टंकण के प्रशिक्षण के लिए नामित करना।	उप-निदेशक (रा.भा.) ने समिति को सूचित किया कि वे कार्मिकों को 40 कार्य दिवसीय अल्पकालिक हिंदी प्रशिक्षण दिलाने के मामले में केन्द्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान के संपर्क में है जिन्होंने अभी स्थान रिक्त न होने की मौखिक सूचना दी है और कार्मिकों को प्रवेश देने में असमर्थता व्यक्त की है। अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया कि उक्त कार्मिकों को अगले बैच में फिर से हिंदी टंकण के प्रशिक्षण के लिए नामित करने के प्रयास किए जाएं ।	राजभाषा प्रभाग/ प्रभाग/ पी-।। अनुभाग
5	यूनिकोड समर्थित सॉफ्वेयर युक्त कंप्यूटरों की खरीद/जिन पुराने कंप्यूटरों में यह सॉफ्टवेयर नहीं है, उनमें यह सुविधा तथा फोनेटिक की-बोर्ड उपलब्ध कराया जाना।	सदस्य सचिव ने बताया कि पिछली बैठक में उपस्थित उप सचिव (आईटी) ने बताया था कि 25 नए Thin Client कंप्यूटर सिस्टम खरीदे गए हैं जिनमें केवल मॉनीटर और की-बोर्ड हैं और जो एक ही सर्वर से जुड़कर प्रचालित हो रहे हैं जिस पर अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया था कि कंप्यूटरों में इंटरनेट से निशुल्क हिन्दी फॉन्ट डाउनलोड करने और हिन्दी में काम करने की जानकारी देने के लिए उनकी ओर से एक परिपत्र जारी किया जाए तथा यह भी पता लगाया जाए कि नए thin client कंप्यूटर सिस्टम के सर्वर में द्विभाषी सुविधा उपलब्ध है या नहीं और यदि नहीं है तो इसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाए । अध्यक्ष महोदय ने इस प्रयोजनार्थ राजभाषा प्रभाग द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन करने के लिए भी निर्देशित किया था । अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया कि- (i) राजभाषा प्रभाग द्वारा बैठक में उपस्थित अधिकारियों के कम्प्यूटर सिस्टम में यूनिकोड मंगल फान्ट वाला द्विभाषी सॉफ्टवेयर डाला जाए, (ii) अभी तक जिन कंप्यूटरों में यह सुविधा नहीं है उनकी सूची जीए अनुभाग से मंगा ली जाए, और (iii) अधिकारियों/कर्मचारियों को कम्प्यूटर पर हिंदी में काम करने का प्रशिक्षण देने के लिए संसद के वर्तमान शीत सत्र के तुरंत बाद एक विशिष्ट कार्यशाला आयोजित की जाए।	आईटी/जीए अनुभाग/ राजभाषा प्रभाग
6	हिंदी पुस्तकों की खरीद पर कुल बजट की 50% राशि खर्च किया जाना।	उप निदेशक (रा.भा.) ने बताया कि दिनांक 5.12.20[illegible] लिखित अनुरोध के बावजूद इस बारे में पुस्तकालय से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है।	पुस्तकालय/ राजभाषा प्रभाग

		बैठक में पुस्तकों की खरीद पर हुई चर्चा के दौरान प्रतिभागियों द्वारा निम्नलिखित सुझाव भी दिए गए : (i) हिंदी पुस्तकों की खरीद को मांग आधारित बनाया जाए। इसके लिए मंत्रालय के कर्मचारियों/अधिकारियों के मध्य एक परिपत्र परिचालित करके उनसे उनकी पसंद की पुस्तकों की जानकारी प्राप्त की जाए। (ii) हिंदी साहित्य पर लिखी गई पुस्तकों की संख्या बढ़ाई जाए। (iii) पुस्तकालय में पर्यावरण पर लिखी गई पुस्तकों की कम उपलब्धता की वजह से पर्यावरण संबंधी ज्ञान के विलुप्त होते जाने के कारण पर्यावरण वैज्ञानिकों/बुद्धिजीवियों द्वारा पर्यावरण पर लिखी गई पुस्तकें खरीदी जाएं। अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया कि- (i) पर्या., वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पुस्तकालय के लिए आबंटित धनराशि में से, जर्नल और संदर्भ साहित्य की खरीद किए जाने के बाद शेष बची राशि का 50 प्रतिशत हिंदी पुस्तकों की खरीद पर खर्च करने के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त करने हेतु पुस्तकालय प्रभारी को पत्र लिखकर पुन: अनुरोध किया जाए, तथा (ii) सभी अधिकारी/कर्मचारी पुस्तकालय में जाकर उपलब्ध साहित्य की सूची बनाएं और अनुपलब्ध पुस्तकों को खरीदने की मांग करें ताकि पुस्तकालय द्वारा ऐसी पुस्तकों की खरीद पर विचार किया जा सके।	
7	वेतन पर्ची (Pay Slip) का द्विभाषीकरण।	उप निदेशक (रा.भा.) ने बताया कि माह अगस्त, 2017 से PFMS के माध्यम से वेतन का भुगतान शुरू हो जाने के कारण वेतन पर्ची अभी भी केवल अंग्रेजी में उपलब्ध है, अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया कि वेतन पर्ची (Pay Slip) के द्विभाषीकरण के मुद्दे को NIC के साथ पुन: उठाया जाए और इस प्रयोजनार्थ निदेशक (एनआईसी) को पत्र लिखा जाए ।	एनआईसी/ राजभाषा प्रभाग
8	मंत्रालय में प्रयुक्त होने वाले वैज्ञानिक/ तकनीकी शब्दों का कोश तैयार करना।	उप-निदेशक (रा.भा.) ने समिति को बताया कि वैज्ञानिक/तकनीकी शब्दकोश अनुवाद के लिए राजभाषा प्रभाग में प्राप्त हुआ था जिसका हिंदी अनुवाद उन्हें प्रस्तुत कर दिया गया था। अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया कि उसे वेबसाइट पर प्रदर्शित करवाने के लिए उप सचिव (आईटी) को पत्र लिखा जाए।	आईटी/मीडिया प्रभाग/राजभाषा प्रभाग
9	हिंदी विज्ञापनों पर खर्च की जाने वाली राशि।	उप-निदेशक (रा.भा.) ने समिति को अवगत कराया कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय ने अपने दिनांक 30.06.2017 के का.ज्ञा. सं. 20012/01/2017-रा.भा. (नीति) के द्वारा ऐसे दिशानिर्देश जारी किए हैं जिनमें हिंदी विज्ञापनों पर एक निश्चित प्रतिशत में धनराशि खर्च किए जाने के स्थान पर अँग्रेजी/क्षेत्रीय भाषा के साथ-साथ हिन्दी में भी विज्ञापन दिए जाने को अनिवार्य बनाया गया है। अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के उक्त दिशानिर्देशों को मीडिया अनुभाग सहित सभी अनुभागों/प्रभागों तथा सम्बद्ध कार्यालयों आदि में परिचालित कर दिया जाए।	मीडिया प्रभाग/ राजभाषा प्रभाग

10	वेबसाइट का द्विभाषीकरण।	उप-निदेशक (रा.भा.) ने बताया कि दिनांक 22.09.2017 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पिछली बैठक में उपस्थित उप-सचिव (आई टी) ने बताया था कि मंत्रालय में वेबसाइट को रि-डिजाइन करने के लिए चुनी गई कंपनी को ही इसे साथ-साथ द्विभाषी बनाने का ठेका भी अंतिम रूप से दे दिया गया है और वेबसाइट के द्विभाषीकरण का कार्य प्रगति पर है तथा इस प्रजोजनार्थ नियुक्त कंपनी द्वारा एक बार मंत्रालय की वेबसाइट का 100% द्विभाषीकरण कर दिए जाने के बाद सामग्री के लगातार अद्यतनीकरण के लिए हिन्दी अनुवाद में राजभाषा प्रभाग की सहायता ली जाएगी। अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया कि चूंकि अभी तक वेबसाइट के द्विभाषीकरण का कार्य पूर्ण नहीं हुआ है, अत: इस बारे में उप-सचिव (आईटी) को पुन: पत्र लिखा जाए।	आईटी/ राजभाषा प्रभाग
11	राजभाषा प्रभाग का सुदृढ़ीकरण।	उप-निदेशक (रा.भा.) ने बताया कि अभी भी राजभाषा प्रभाग के 06 कार्मिकों के लिए बैठने के स्थान उपलब्ध नहीं हैं और हिन्दी कार्मिक अलग-अलग 02 स्थानों पर जल विंग एवं पृथ्वी विंग में बैठ रहे हैं जिससे काम-काज का सुचारु संचालन नहीं हो पाता है। अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया कि मामले को शीघ्र सामान्य (प्रशा.) के संज्ञान में लाने के लिए उनसे पुन:अनुरोध किया जाए।	राजभाषा प्रभाग/जीए
12	राजभाषायी निरीक्षण का न्यूनतम लक्ष्य प्राप्त करना	सदस्य सचिव ने बताया कि नियमानुसार क, ख, और ग प्रत्येक क्षेत्र में पृथक-पृथक 25% कार्यालयों के राजभाषायी निरीक्षण का लक्ष्य प्राप्त किया जाना जरूरी है परंतु काम की अधिकता और स्टाफ की कमी के चलते इस वित्त वर्ष में उक्त लक्ष्य की प्राप्ति अभी तक नहीं हो पायी है। अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया कि निर्धारित समयावधि में निरीक्षण का न्यूनतम लक्ष्य प्राप्त करने के प्रयास किए जाएं।	राजभाषा प्रभाग
13	हिंदी पत्रिका पर्यावरण के 69वें अंक का समय पर प्रकाशन सुनिश्चित करना।	उप-निदेशक (रा.भा.) ने बताया कि 69वें अंक के प्रकाशन हेतु सामग्री तैयार है जिसकी एक या दो विषय विशेषज्ञों अर्थात महानिरीक्षक, वन्य जीव आदि द्वारा भी पुनरीक्षा/संपादन कराना जरूरी है। साथ ही, निदेशक (जेड एस आई) द्वारा विशेषज्ञ नामित करने की संभावना का पता लगाया जाए। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने इस विषय में स्वीकृति समिति का हवाला देते हुए संयुक्त निदेशक (रा.भा.) को शीघ्र समिति की बैठक बुलाने का निदेश दिया। इस कार्य को किसी भी दशा में 10 दिन की समय-सीमा में संपन्न करने का भी निदेश दिया। पर्यावरण पत्रिका के प्रकाशन को सुचारु करने के उद्देश्य से सहायक संपादक के पद को फिर से बहाल किया जाए। इस संबंध में प्रशासन अनुभाग को आवश्यक कार्रवाई करने हेतु आग्रह करने का निर्णय लिया गया।	राजभाषा प्रभाग/पी.II अनुभाग

उपर्युक्त मदों पर चर्चा के उपरांत अध्यक्ष महोदय ने समिति को हर्षपूर्वक सूचित किया कि नववर्ष 2018 में राजभाषा प्रभाग द्वारा पर्यावरण से जुड़े विषयों पर हिंदी में लिखी गई पुस्तकों को पुरस्कृत करने के लिए 'मेदिनी पुरस्कार योजना' को फिर से शुरू किया जा रहा है। अंत में अध्यक्ष महोदय के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

(बृजभान)
उप-निदेशक (रा.भा.) एवं
सदस्य सचिव